Baba’s Praise

19/2/2015

- **रूहानी बाप** रूहानी बच्चों को समझा रहे हैं । रूहानी बाप आये कहाँ से हैं? रूहानी दुनिया से ।

- यह तो वही **गीता का ज्ञान** है । गीता का पार्ट चल रहा है और बाप पढ़ाते हैं । भगवानुवाच है ना और **भगवान** तो एक ही है । वह है **शान्ति का सागर** ।

- भारतवासी यह भी जानते हैं कि महाभारत लड़ाई भी तब लगी थी जबकि दुनिया बदलनी थी, तब ही बाप ने आकर **राजयोग सिखलाया** था ।

- तुम अभी समझते हो **बेहद के बाप** से तो **बेहद का वर्सा** मिलता है तो उस **बाप की श्रीमत** पर चलना है ।

- एक तो कल्प की आयु भूल गये हैं और गीता के भगवान को भी भूले हैं । कृष्ण को तो **गॉड फादर** कह नहीं सकते । आत्मा कहती है गॉड फादर, तो वह निराकार हो गया ।

- **निराकार बाप** आत्माओं को कहते हैं कि मुझे याद करो । मैं ही **पतित-पावन** हूँ, मुझे बुलाते भी हैं-हे पतित- पावन ।

- मैं निराकार हूँ, मनुष्यों का बाप नहीं, **आत्माओं का बाप** हूँ ।

- बाप में **सृष्टि चक्र का ज्ञान** है । हम उनके बच्चे हैं तो बच्चों में भी यह नॉलेज रहनी चाहिए ।

- बाप कहते हैं मैं **पुरानी दुनिया को बदल नई दुनिया बनाने** आया हूँ । अभी फिर तुमको दैवी धर्म श्रेष्ठ और कर्म श्रेष्ठ सिखला रहे हैं ।
- **रचयिता** और रचना का ज्ञान मुक्ति और जीवनमुक्ति तुम्हारी बुद्धि में फिरते रहते हैं, जो-जो महारथी हैं ।

- बापदादा दोनों ही कितना समझाते रहते हैं । बाप **आये ही हैं कल्याण करने** । अपना भी कल्याण करना है तो दूसरों का भी करना है । बाप को बुलाया भी है कि आकर हम पतितों को पावन होने का रास्ता बताओ ।

- **वर्सा** बाप से ही मिलता है इन द्वारा । देने वाला एक है । उनकी ही महिमा है । वही सर्व का **सद्गति दाता** है ।

- **ज्ञान सागर** तो एक ही बाप है, हम ज्ञान नदियां ज्ञान सागर से निकली हैं । बाकी वह हैं पानी का सागर और नदियाँ ।

- महिमा तो करनी चाहिए एक ही **पतित-पावन** बाप की । और तो कोई है नहीं । ब्रह्मा, विष्णु, शंकर को भी पतित-पावन नहीं कहा जाता है । यह तो किसको पावन नहीं बनाते हैं । पतित से पावन बनाने वाला एक ही बाप है ।

- **सबका बाप तो एक ही** है, उनसे ही **वर्सा** मिलता है । उसका नाम है **शिव** । शिवरात्रि भी मनाते हैं ।